पूर्वाग्रह को कम करने की विधियाँ
(Methods of Reducing Prejudice):—

पूर्वाग्रह एक ऐसी मनोवृत्ति है, जिसका स्पष्ट सामाजिक कुप्रभाव देखने को मिलता है। इसके कारण कभी-कभी जातीय दंगे, अन्तर्वैयक्तिक संघर्ष आदि भी उत्पन्न हो जाते हैं। समाज मनोवैज्ञानिकों ने कुछ ऐसी विधियों या तरीकों के बारे में बतलाया है, जिसके द्वारा पूर्वाग्रह और उससे उत्पन्न भेद-भाव को आसानी से कम किया जा सकता है। जिनमें प्रमुख विधियाँ निम्नांकित हैं—

* **अन्तरसमूह संपर्क (Intergroup contact)** — आलपोर्ट ने सर्वप्रथम इस विधि पर बल डाला है। इस विधि में जब पूर्वाग्रही व्यक्ति तथा लक्ष्य व्यक्ति जो पूर्वाग्रह का निशाना बनता है, एक दूसरे के निकट संपर्क में आते हैं, तो पूर्वाग्रही व्यक्ति को लक्ष्य व्यक्ति को समझने का अधिक मौका मिलता है। फलस्वरूप लक्ष्य व्यक्ति के बारे में बहुत सी गलतफहमियाँ स्वतः ही दूर हो जाती हैं और व्यक्ति का पूर्वाग्रह कम हो जाता है। विभिन्न समाज मनोवैज्ञानिकों

ने इस तरह के अन्तरसमूह संपर्क को निम्नांकित तीन परिस्थितियों में अधिक प्रभावशाली बतलाया है:—

→ जब दोनों समूह के सदस्यों को समान स्तर प्राप्त होता है।

→ जब दोनों समूहों के बीच संपर्क सतही न होकर वास्तविक एवं घनिष्ठ होता है। इस प्रकार के संबंध होने से व्यक्ति लक्ष्य समूह के सदस्यों को एक व्यक्ति के रूप में अधिक और रूढ़िकृतियों के रूप में कम देखता है। फलस्वरूप व्यक्ति के पूर्वाग्रह में कमी आती है।

→ जब कोई लक्ष्य ऐसा होता है जिसकी प्राप्ति दोनों समूहों की संयुक्त क्रियाओं पर निर्भर करता है, तो ऐसी परिस्थिति में दोनों के बीच संपर्क से पूर्वाग्रह में कमी अधिक तेजी से आती है।

* शिक्षा (Education) — समाज मनोवैज्ञानिकों ने उचित शिक्षा के द्वारा भी पूर्वाग्रह को कम करने के उपाय बतलाये हैं। बच्चों को दी जाने वाली अनौपचारिक शिक्षा ऐसी होनी चाहिए कि इससे किसी समूह या वर्ग के प्रति पूर्वाग्रही मनोवृत्ति न विकसित हो। औपचारिक शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों एवं पाठ्यक्रमों का स्वरूप ऐसा हो जिससे किसी प्रकार के पूर्वाग्रह की वृद्धि न हो। बच्चों में स्वस्थ मानसिक स्वास्थ्य विकसित हो एवं किसी प्रकार का पूर्वाग्रह उनके मस्तिष्क में विकसित न हो पाये। कुछ मनोवैज्ञानिकों ने अपने अध्ययनों में यह पाया है कि शिक्षा का स्तर ऊँचा होने से व्यक्ति में पूर्वाग्रह की मात्रा कम हो जाती है, क्योंकि शिक्षा से व्यक्ति में वैज्ञानिक सोच विकसित होती है और उनमें उदारता बढ़ती है।

* पूर्वाग्रह-विरोधी प्रचार (Antiprejudice Propaganda) — पूर्वाग्रह के विरोध में जनसंचार माध्यमों से किया गया प्रचार पूर्वाग्रह को कम करने में अहम भूमिका निभाता है। सिम्पसन एवं यिंगर (1972) ने अपने अध्ययन के आधार पर यह बतलाया है कि पूर्वाग्रह विरोधी प्रचार पूर्वाग्रह को कम करने में शिक्षा से

NOTES

Scanned with CamScanner

को अधिक प्रभावकारी होता है, क्योंकि इस तरह का प्रचार व्यक्ति को प्रायः अप्रत्यक्ष ढंग से पूर्वाग्रह को कम करने के लिए प्रेरित करता है।

APPOINTMENTS

असंगत भूमिका (Incongruent role) — कुछ समाज मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि जब किसी व्यक्ति को उसके पूर्वाग्रह के विपरीत भूमिका करने के लिए कहा जाता है तो कुछ समय के बाद व्यक्ति की मनोवृत्ति में परिवर्तन हो जाता है और पूर्वाग्रह में कमी आ जाती है। जैसे— यदि उच्च जाति के किसी व्यक्ति को जो हरिजनों के प्रति पूर्वाग्रहित हो, कल्याण मंत्री या मुख्य मंत्री बना दिया जाये, तो कुछ समय बाद उस व्यक्ति की मनोवृत्ति हरिजनों के प्रति बदल जायेगी और उसमें पूर्वाग्रह की मात्रा में कमी आ जायेगी। ऐसा इसलिए संभव होगा क्योंकि मंत्री पद पर रहकर उसके लिए किसी खास वर्ग के प्रति भेद-भाव करना गैरकानूनी होगा और एक असामाजिक कार्य भी होगा। अतः वह अपनी नकारात्मक मनोवृत्ति को परिवर्तित कर लेगा।

सामाजिक विधान (Social Legislation) — जब सरकार पूर्वाग्रह नियंत्रण संबन्धी कोई विशेष कानून या विधान बनाती है, तो इससे भी सामाजिक वातावरण में परिवर्तन आता है, और लोगों के पूर्वाग्रह में कमी आ जाती है। जैसे— भारत सरकार ने जब सामाजिक विधान या कानून बनाकर छुआछूत को गैर-कानूनी घोषित किया, परिणामस्वरूप हरिजनों से छुआछूत संबन्धी पूर्वाग्रह धीरे-धीरे समाप्त हो गये हैं।

अलगाव-विरोधी नीति (Anti-segregation Policy) — सरकार एवं समाज-सेवी संस्थाओं के द्वारा अलगाव-विरोधी नीति के अधिकाधिक क्रियान्वयन के फलस्वरूप भी समाज में व्याप्त भिन्न-भिन्न तरह के पूर्वाग्रहों में कमी होते पायी जाती है। जबकि अलगाव की नीति से भिन्न-भिन्न पूर्वाग्रहों का संपोषण होता है और लोग अलग-अलग वर्गों में बँट जाते हैं।

NOTES

Scanned with CamScanner

व्यक्तित्व परिवर्तन प्रविधियाँ (Personality change techniques)

— समायोजन एवं विचार के अनुसार पूर्वाग्रह को कम करने के लिए एक संतुलित, परिपक्व एवं खुला विचार वाले व्यक्तित्व का होना आवश्यक है। समाज मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्तित्व में परिवर्तन मनोचिकित्सा की विभिन्न विधियों एवं विरेचन (catharsis) द्वारा करके उनमें व्याप्त पूर्वाग्रह को कम करने पर बल डाला है। इन प्रविधियों द्वारा जब व्यक्ति के व्यक्तित्व में परिवर्तन हो जाता है तो वह अन्य जाति, धर्म एवं प्रजाति के व्यक्तियों के प्रति स्वस्थ ढंग से सोचना प्रारंभ कर देता है जिससे उसकी चली आ रही गलतफहमियाँ अपने आप ही दूर हो जाती हैं। परिणामस्वरूप उसके पूर्वाग्रह में अपने आप ही कमी आ जाती है। एक्सलाइन (1948) ने एक अध्ययन के द्वारा यह दिखलाया कि खेल चिकित्सा द्वारा बच्चों के व्यक्तित्व में परिवर्तन लाकर उनकी प्रजातीय पूर्वाग्रह को कम किया जा सकता है।

इसप्रकार, स्पष्ट है कि समाज मनोवैज्ञानिकों एवं समाजशास्त्रियों ने पूर्वाग्रह को कम करने के लिए अनेक विधियों को बतलाया है। पूर्वाग्रह के स्वरूप को ध्यान में रखते हुए इनमें से उचित उपायों को चुनकर पूर्वाग्रह में कमी लायी जा सकती है।

Scanned with CamScanner